दलित जातियों में राजनीतिक अभिज्ञान एवं वर्ग जागरूकता

डॉ0 ओम प्रकाश कुमार

वर्तमान भारतीय समाज में दलित जातियों में विभिन्न कारणों से बढ़ रही राजनीतिक जागृति अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण होती जा रही है। सामाजिक आर्थिक तथा राजनीतिक सभी दृष्टियों से दलित जातियों में बढ़ती हुई राजनैतिक जागृति एक महत्वपूर्ण सामाजिक वास्तविकता है। स्वतंत्रता पूर्व विभिन्न कारणों से दलित जातियों में राजनीतिक जागृति अविकसित थी किन्तु स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ ही औपनिवेशिक आर्थिक ढांचे का विनाश हुआ और स्वतंत्र भारत में सामाजिक उत्थान के लिये किये गये सक्रिय प्रयासों के फलस्वरूप अन्य सभी वर्गों के साथ ही दलित जातियों में राजनीतिक जागृति बढ़ने लगी और वे राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने लगी। इतना ही नहीं उनकी राजनीतिक चेतना ने अनेक संगठनों तथा राजनीतिक दलों को बल प्रदान किया है। अतः वर्ग जागरूकता के विश्लेषण में उनकी राजनीतिक जानकारी के स्वरूप की व्याख्या करना आवश्यक हो जाता है।